यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2023

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 9

अंक 97+3-100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएगे और 2 करने पर 2 अंक इसी क्रम में सामायिक न करने पर 3 अंक काटे जाएंगे। (परीक्षा दिनांक 01.10.2023)

1. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 काँलम में लिखें। ¼ ½

प्रश्न-1. नीचे लिखी गाथाओं को पूरा करो। 10

1. चरे पयाइ.....।

लाभंतरे .....॥

2. खिप्पं न .....।

..... चरेऽप्पमत्ते॥

3. गुणाण.....।

लक्खणं ..... ॥

4. जो जिणदिट्ठे.....।

.....नायव्वो॥

5. दव्वाण.....।

सव्वाहिं .....।।

6. जो अत्थिकाय.....।

सद्दहइ.....।।

7. मंदा य.....।

रक्खेज्ज.....।।

8. णाण.....।

वीरिय.....।।

9. श्रोग-उरग.....।

.....यह जान।।

10. मैं भी सिद्ध.....।

.....बोध जम गया।।

प्रश्न-2. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ लिखो- **5**

1. पावकारी	.....	6. कालो	.....
2. गहाय	.....	7. पंचविहं	.....
3. नेयाइयं	.....	8. फुसंती	.....
4. आउयम्मि	.....	9. अप्पमत्तो	.....
5. परज्झा	.....	10. निक्कंखिव	.....

प्रश्न-3. नीचे लिखी भाषाओं का अर्थ लिखो- **10**

1. नादंसणिस्स नाणं, नाणेण विणा न हुंति चरणगुणा।

अगुणिस्य नत्थि मोक्खो, नत्थि अमोक्खस्स निव्वाणं।।

.....

.....

.....

.....

2. एगेण अणेगाइं पयाइं, जो पसरई उं सम्मत्तं।

उदए व्व तेल्लबिंदू, सो बीय-रुइ-त्ति नायव्वो।।

.....

.....

.....

.....

3. वत्तणा-लक्खणो कालो, जीवो उवओग-लक्खणो।

नाणेणं दंसणेणं च, सुहेण य दुहेण य।।

.....

.....

.....

.....

4. वित्तेणं ताणं ण लभे पमत्ते, इमम्मि लोए अदुवा परत्था।

दीवप्पणट्ठे व अणंतमोहे, नेयाउयं दट्ठुमदट्ठुमेव।।

.....

.....

.....

.....

5. अंसखयं जीविय मा पमायए, जरोवणीयस्स हु नत्थि ताणं।

एवं वियाणाहि जणे पमत्ते, किन्नु विहिंसा, अजया गहिंति।।

.....

.....

.....

.....

प्रश्न-4. चरण बताइये- **6**

1. पहाय ते पास पयट्टिए ..... 2. जीते काम-पिशाच को .....

2. कालो पुग्गल जंतवो ..... 4. संखेवरूइं त्ति होइ नायव्वो .....

3. वो निर्मोही अविकारी ..... 6. प्रासुक लेते ही आहार .....

प्रश्न- 5. नीचे लिखे पदों की आगे की गाथा लिखो- **6**

1. तन सौं ममत निवार ..... 2. त्यागो सब यह जान .....

2. रामभाव निष्प्रकम्प ..... 4. य सम्मत्तसद्दहणा .....

3. तम्हा मुणी खिप्पमुवेइ मोक्खं .....6. एवमस्भंतरो तवो .....

प्रश्न-6. गलत गाथा के नीचे लाईन खींचे- **5**

1. नानेण जाणई भावे दंसणेण य परिसुज्झई।।

2. अभिगम वित्थाररूई, आणारूई- धम्मरूई।।

3. ओहि-नाणं तु तहयं, मणनाणं च केवलं।।

4. विसीयइ सिढिले आउयम्मि, कानोवणीए सासयवाइयाणं।।

5. सुतेसु यावी पडिबुद्ध-जीवी न वीससे पंडिए-वम्मधारी।।

प्रश्न- 7. अंकों में उत्तर दीजिए- **10**

1. चौथे देवलोक की अवगाहना- .....

2. तेउकाय में लेश्या- .....

3. असन्नी मनुष्य में इन्द्रिय- .....

4. सन्नी पंचेन्द्रिय तिर्यंच में समुद्घात- .....

5. सिद्ध भगवान में पर्याप्ति- .....

6. असन्नी पंचेन्द्रिय तिर्यंच में योग- .....

7. 15 परमाधार्मिक में उपयोग- .....

8. सुखमा-सुखम ओर में कितनी पसलियां- .....

9. एक योजन में कितने कोस- .....

10. भगवान के कितने कल्याणक उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र में हुए- .....

प्रश्न-8. एक शब्द में उत्तर दीजिए- **12**

1. निशस्त युद्ध किसने किया- .....

2. भोग देखकर भोगी कौन बना- .....

3. दीपक का काम देने वाले वृक्ष- .....

4. पहले से तीसरे आरे तक यह भूमि कहलाती है- .....

5. आठ यूका का एक- .....

6. उपवन को कौन नष्ट कर रही है- .....

7. सुभद्रा को पाने के लिये कुछ दिन के लिये क्या स्वीकार किया- .....

8. ये महावीर ही ..... तीर्थंकर है। .....

9. छलकपट करके गले में फांसा डालकर मारे, कौन सा बोल है- .....

10. छः छः महीना में गण सम्प्रदाय पलटे कौनसा दोष है .....

11. बुद्धि के विभ्रम से जीवघात हो जाना– .....

12. अन्य मुनियों के काम होवे तो गुरु से बारम्बार पूछे– .....

प्रश्न–9. संक्षेप में उत्तर दीजिए– **20**

1. बेइन्द्रिय में मरण स्थिति, प्राण, दृष्टि कितने होते है?

.....

.....

.....

2. प्रतिमाधारी साधु कौन–कारणों से बोलते है?

.....

.....

.....

3. मंडूक, तुम्बक, आकीर्ण, रोहिणी इन अध्ययनों में किनका वर्णन है?

.....

.....

.....

4. समुद्घात तथा समोहयामरण की परिभाषा लिखो।

.....

.....

.....

5. राजा हरिशचंद्र तथा महारानी तारा की अंतिम कसौटी क्या थी?

.....

.....

.....

6. महासती सुभद्रा ने शीलव्रत का चमत्कार कैसे दिखाया?

.....

.....

.....

7. ''मैं की अनुभूति ही आत्मा है'' समझाइये।

.....

.....

.....

8. वासुदेव पद की प्राप्ति के कोई चार रत्नों के नाम लिखो।

.....

.....

.....

9. ''दुःखमा दुःखम'' आरे को संक्षेप में समझाओ।

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न–10. खाली स्थान भरिए– **8**

1. दो हड्डियों को कील द्वारा जोड़ दिया जाए ..... संहनन है।

2. संसार में भटकाने वाले भावों को..... कहते है।

3. .....भगवान् द्वारा..... जाने के अन्तर्मुहूर्त्त पहले किया जाने वाला समुद्घात केवली समुद्घात है।

4. .....पदार्थों को ही जान सकता है, ... को नहीं।

5. .....को त्यागने का संग्रह करना।

6. अप्संराए ..... के प्रति कृतज्ञता प्रकट करके अपने स्थान लौट गई।

7. एक ..... मुनि को अपने घर आते देखकर पुलक उठी।

8. मुझे तो अब मेरे ..... गुरूवर की प्राप्ति हो गई।

प्रश्न– 11. सही या गलत बताइये। **5**

1. उत्सर्पिणी का पहला आरा श्रावण शुक्ल प्रतिपदा से प्रारंभ होता है। ( )

2. मिथ्यात्व की कारा को तोड़कर सम्यग्मिथ्यादर्शन के सुखासन पर आसीन हो गये। ( )

3. सुभद्रा के परिवार सहित हजारों लोगों को जैन धर्म की शिक्षा दी। ( )

4. साक्षात् सत्य ही हरिशचन्द्र के रूप में है। ( )

5. अंगशास्त्रा में अपरिमित वार्तिक है। ( )